दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB TGT & PGT
ROJGAR
with
ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
WORLD HISTORY
Class- 5
LIVE
28-08-2024 08:00 PM

फ्रांसीसी क्रांति

31 अगस्त
Marathon class
विश्व इतिहास

विश्व इतिहास

- पुनर्जागरण
- प्रबोधन
- अमेरिकी क्रांति
- फ्रांसीसी क्रांति

फ्रांसीसी क्रांति (1789-99) = फ्रांस की निरंकुश एवं स्वेच्छाचारी राजनीतिक सत्ता के विरुद्ध एक क्रांति थी।

जिसके मूल में असमानता एवं भेदभाव आधारित सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था व्याप्त थी।

इस क्रांति ने सम्पूर्ण विश्व में स्वतंत्रता समानता एवं बंधुता का आदर्श प्रस्तुत किया।

क्रांति की पृष्ठभूमि का निर्मित करने वाले कारक :-

① यूरोप में पुरातन व्यवस्था विद्यमान थी, जिसमें निरंकुश राजतंत्र /सामंत तंत्र कुलीन तंत्र, चर्च व्यवस्था, विशेषाधिकार युक्त समाज, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था।

② उपर्युक्त परिस्थितियों के सम्मिलित प्रभाव से फ्रांस में जनता में भारी असंतोष व्याप्त था।

3.1.2 फ्रांसीसी क्रांति के कारण (*Causes of French Revolution*)

राजनैतिक कारण :

i. लुई 14वां (1643-1715) ⇒ योग्य शासक ⇒ अत्यधिक केंद्रीयकृत शासन प्रणाली

ii. लुई 15वां (1715-74) एवं लुई 16वां (1774-92) ⇒ अयोग्य शासक

iii. निरंकुश राजतंत्र - राजा के दैवीय अधिकार

iv. स्वतंत्रताओं का अभाव – केन्द्रीयकृत शासन

v. राजप्रसाद का विलासी जीवन और धन का अपव्यय

vi. प्रशासनिक अव्यवस्था - योग्यता के आधार पर नियुक्ति नहीं, भिन्न-भिन्न प्रान्तों में अलग-अलग कानून, स्वतंत्र न्यायपालिका का अभाव

3.1.2 फ्रांसीसी क्रांति के कारण *(Causes of French Revolution)*

सामाजिक कारण :

शोषक वर्ग (विशेषाधिकार युक्त)

✓ प्रथम स्टेट (1st State) ⇒ **पादरी वर्ग** – धार्मिक प्रमुख, करमुक्त जमीन, कर लगाने का अधिकार

i. **उच्च पादरी** – सुविधापूर्ण जीवन, धन का नियंत्रण

ii. **निम्न पादरी** – इनकी स्थिति जनसाधारण के समान थी

✓ द्वितीय स्टेट (2nd State) ⇒ **कुलीन / सामंत वर्ग** – राज्य के उच्च पदों पर चयनित, करों से मुक्त, कृषक वर्ग पर कर आरोपित करने का अधिकार

शोषक वर्ग (विशेषाधिकार युक्त)

✓ तृतीय स्टेट (3rd State) ⇒ **सामान्य वर्ग** – कृषक, मजदूर, श्रमिक आदि। सर्वाधिक शोषित और पीड़ित, करों का बोझ

i. **मजदूर वर्ग** - औद्योगिक क्रान्ति ⇒ घरेलू उद्योग-धंधों का विनाश ⇒ मजदूर वर्ग बेरोजगार ⇒ रोजगार की तलाश में पेरिस की ओर पलायन

ii. **मध्यम वर्ग** – सर्वाधिक असंतोष, क्रांति का संचालन और नेतृत्व

3.1.2 फ्रांसीसी क्रांति के कारण *(Causes of French Revolution*

आर्थिक कारण :

i. एकमात्र करदाता वर्ग तृत्तीय स्टेट जनसाधारण था, कारों का बोझ बढ़ा,

ii. सप्तवर्षीय युद्ध – फ्रांस बनाम ब्रिटेन (लुई 15वां), अमेरिकी क्रांति (लुई 16वां) में अमेरिका के पक्ष में सहयोग जैसे विदेशी युद्ध में व्यय और अपव्यय में वृद्धि। आर्थिक स्थिति कमजोर।

iii. राजमहल के विलासिता के अपव्यय

iv. कर सुधार के सुझावों का विरोध – आर्थिक विचारक (Physiocrats) – नेकर, तुर्गो, कैलोन जैसे आर्थिक विचारकों ने राज्य के अपव्यय में नियंत्रण, किसानो पर सामंतों द्वारा लगाए जाने वाले कारों की समाप्ती एवं कुलीनों को भी कर के डरे में लाने का सुझाव दिया ⇒ सामंत / कुलीनों का दबाव ⇒ अस्वीकृत

3.1.2 फ्रांसीसी क्रांति के कारण *(Causes of French Revolution)*

अभ्यास प्रश्न 1 – फ्रांस की क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

दार्शनिकों की भूमिका / बौधिक जागरण : इस संबंध में दो मत प्रचलित हैं –

i. दार्शनिकों ने क्रांति उत्पन्न की

ii. क्रांति में दार्शनिकों की कोई भूमिका नहीं थी, बल्कि फ्रांस की तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति क्रांति के लिए उत्तरदायी थीं।

दार्शनिकों के विचार :

रूसो (1712-78)

- ✓ **सोशल कांट्रेक्ट** एवं **सेकंड डिस्कोर्स** रूसो की प्रमुख रचनाएँ हैं।
- ✓ **प्रकृति पर बल** – 'मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है, पर हर जगह वह ज़ंजीरों में जकड़ा हुआ है।'
- ✓ **असमानता पर चोट** – रूसो ने मानव निर्मित नियंत्रण एवं असमानता (अमीर-गरीब, उच्च-निम्न, श्वेत-अश्वेत, कुलीन-सामान्य आदि) का विरोध किया

3.1.2 फ्रांसीसी क्रांति के कारण *(Causes of French Revolution)*

- ✓ राज्य की उत्पत्ति एवं सामान्य इच्छा का सिद्धांत (सोशल कांट्रैक्ट) – संपत्ति की अवधारणा ⇒ असुरक्षा की भावना ⇒ सामाजिक समझौता ⇒ अपनी शक्ति राज्य को सौंप दी ⇒ राज्य एवं राजतंत्र की शुरुवात (रूसो ने समानता एवं स्वतन्त्रता को सामाजिक संगठन का आधार बताया)

वाल्टेयर (1694-1778) (संपादकों का राजा)

- ✓ प्रत्येक प्रकार के शोषण एवं अंधविश्वास का कटु आलोचक, आस्तिक पर चर्च का विरोधी था
- ✓ वाल्टेयर ने कहा ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसते हैं ना की बाइबिल एवं चर्च में
- ✓ प्रसिद्ध पुस्तकें – लुई 14वें का युग, बदनाम चीजों को नष्ट कर दो

मांटेस्क्यू (1689-1755) (फ्रांसीसी विचारक)

- ✓ देशों की परिस्थिति अनुसार सरकार : बड़े देश – निरंकुश राजतंत्र, मध्यम देश – सीमित राजतंत्र (फ्रांस) छोटे देश – गणतंत्रीय शासन प्रणाली (स्विट्जरलैंड)
- ✓ मानवाधिकार शक्ति पृथककरण का सिद्धान्त एवं नियंत्रण एवं संतुलन का सिद्धान्त (द स्पिरिट ऑफ द लॉज) ⇒ शक्ति के केन्द्रीकरण से व्यक्तिगत स्वतन्त्रता बाधित होती है।

3.1.3 फ्रांसीसी क्रांति की प्रमुख घटनाएँ (Emergence & Expansion)

स्टेट जनरल का अधिवेशन :

- ✓ क्रांति से पूर्व समाज तीन स्टेट में विभाजित
- ✓ फ्रांस में आर्थिक संकट के परिणामस्वरूप पादरी एवं कुलीन/सामंत वर्ग को भी करों के दायरे में लाने का सुझाव - प्रथम एवं द्वित्तीय स्टेट ने विरोध किया
- ✓ पहले करों एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर तीनों स्टेट की पृथक बैठक एवं मतदान में स्टेटों के बहुमत (किसी भी 2 स्टेट का समर्थन) से निर्णय का प्रावधान था, प्रत्येक स्टेट में 300 सदस्य थे
- ✓ 5 मई 1789 को बैठक बुलाई गई
- ✓ तृत्तीय स्टेट की जनसंख्या लगभग दोगुनी थी, उन्होने 600 (दोगुने) प्रतिनिधि भेजने एवं तीनों स्टेट की बैठक एक साथ बुलाने की मांग की
- ✓ राज्य द्वारा इस मांग को स्वीकार कर लिया गया परंतु प्रथम एवं द्वित्तीय स्टेट द्वारा विरोध

3.1.3 फ्रांसीसी क्रांति की प्रमुख घटनाएँ (Emergence & Expansion)

टेनिस कोर्ट की शपथ (Oath of Tennis Court) :

- ✓ फ्रांस के तत्कालीन राजा **लुई सोलहवाँ** ने सामन्तों, कुलीनों और पादरियों के दबाव में आकर जनसाधारण वर्ग के सदन को बन्द कर दिया

- ✓ विरोध स्वरूप तृतीय स्टेट के सभी सदस्य सभा भवन के निकट स्थित टेनिस कोर्ट के मैदान में इकट्ठे हो गए। तृतीय वर्ग के नेता **'मिरबो'** के अध्यक्षता में एक संकल्प लिया गया कि जब तक हम देश के संविधान का निर्माण नही कर लेते तब तक हम टेनिस कोर्ट से नही हटेंगे।

राष्ट्रीय सभा (National Assembly) :

- ✓ तृतीय सदन की इस घोषणा से राजा लुई डर गया और **27 जून, 1789 ई०** को तीनो सदनों की संयुक्त बैठक का की अनुमति दे दी। एसेंब्ली जनरल को **राष्ट्रीय सभा** की मान्यता दे दी। इस सभा ने 9 जुलाई, 1789 को संविधान का कार्यभार ग्रहण किया।

3.1.3 फ्रांसीसी क्रांति की प्रमुख घटनाएँ (Emergence & Expansion)

बास्तील का पतन :

- ✓ राजा और सामन्तों ने मिलकर इस सभा को भंग करने की योजना बनाई। पेरिस में यह अफवाह फ़ैल गयी की कि राजा विदेशी सेना की मदद से देशभक्तो और क्रांतकरियों को मार डालना चाहती है। इस पर पेरिस की जनता उत्तेजित हो गयी और 14 जुलाई, 1789 को फ्रांस की जनता ने बास्तील की जेल को नष्ट कर दिया और कैदियों को मुक्त कर दिया। इस तिथि को फ्रांसिसी राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं।

नागरिक सभा एवं राष्ट्रीय रक्षा दल :

- ✓ बिगड़ते कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने हेतु लाफायत नमक सैनिक कमांडर के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा दल (National Guard) और पेरिस के शासन हेतु नागरिक सभा (कम्यून)की स्थापना की गई।

Thank you